सावधानियां:

बायो–शील्ड पुट्टी के साथ साफ़ पीने के पानी का 45% मिलाएं.
बायो–शील्ड पुट्टी को ठीक से मिश्रित करना बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए हाथ या मैकेनिकल स्टियरर से मिश्रण बनाने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए, ताकि स्मूदनेस और कवरेज की दृष्टि से मनचाहे, बेहतरीन परिणाम मिल सकें. एकसार पेस्ट मिल जाने तक मिश्रण बनाने की प्रक्रिया को जारी रखना चाहिए.
बायो – शील्ड पुट्टी मिश्रण की केवल आवश्यक मात्रा ही तैयार की जानी चाहिए, जिसका इस्तेमाल साढ़े तीन घंटे के अंदर किया जा सकता हो.

- बिरला व्हाईट बायो–शील्ड पुट्टी को बच्चों की पहुंच से दूर रखना चाहिए.
- निगले जाने पर यह हानिकारक होता है. शरीर में चले जाने पर तुरंत डॉक्टर को दिखाएं. अगर त्वचा में खुजली पैदा होती है या यह होती रहती है, तो भरपूर पानी से तुरंत इसे
- धो डालें और शीघ्रता से डॉक्टर को दिखाएं.

क्या करें :

- सुनिश्चित करें कि दीवार पर झुलते कण/धूल जमा न हो.
- इस्तेमाल करने से पहले अच्छी तरह हिलाएं
- किसी ठंडी और सूखी जगह पर भंडारित करें.
- इस्तेमाल के दौरान सुरक्षाकारी चश्मे पहनें. अगर यह आपकी आंखों में चला जाता है तो आंखों को भरपूर पानी से धोएं और चिकित्सा सलाह लें.
- घिसाई और सतह की तैयारी के दौरान उचित नोज़ मास्क पहनने की सलाह दी जाती है ताकि सांस द्वारा धूल शरीर में प्रवेश न करने पाए.
- बिरला व्हाईट बायो–शील्ड पुट्टी को बच्चों की पहुंच से दूर रखा जाना चाहिए.

क्या न करें:

- ढीली–उखड़ी/धूल वाली दीवार पर बिरला व्हाईट बायो–शील्ड पुट्टी का सीधे इस्तेमाल न करें.
- निर्धारित मात्रा से ज़्यादा पानी न मिलाएं.

Birla White™
BIO-SHIELD Putty

बिरला व्हाईट–अल्ट्राटेक सीमेन्ट लिमिटेड की एक यूनिट,
तल मंज़िल, अहूरा सेन्टर, 82, महाकाली केव्स रोड,
एम.आई.डी.सी. ऑफ़िस के पास, अंधेरी (पूर्व), मुंबई, महाराष्ट्र–400093.

Website: www.birlawhite.com | Toll Free No.: 1800 11 1717
www.facebook.com/BirlaWhiteCement | twitter.com/BirlaWhite

बिरला व्हाईट
बायो–शील्ड पुट्टी
दीवारों पे लगाएं, सफेदी और सुरक्षा दोनों पाएं

इंडिया की पहली एंटी–वायरल पुट्टी

दीवारों पे लगाएं,
सफेदी और सुरक्षा दोनों पाएं

बैक्टेरिया
और विषाणुओं
को मारे
99.9%

बिरला व्हाईट बायो-शील्ड पुट्टी इंडिया की पहली एंटी-वायरल पुट्टी और प्रीमियम क्वॉलिटी की व्हाईट सीमेन्ट बेस्ड पॉलिमर मॉडिफाइड पुट्टी है, जिसमें एंटी-वायरल और एंटी-माइक्रोबियल गुण मौजूद हैं. यह आपकी दीवारों को सुरक्षित तथा हायजेनिक पुट्टी सतह के साथ बेजोड़ सफेदी दिलाती है, जिससे टॉपकोट इमल्शन्स की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है और दीवारों को मार्बल जैसी फिनिश के साथ कीटाणुओं से बचाव मिलता है.

कीटाणुओं से सुरक्षा देने वाली एक्सल पुट्टी

सिल्वर आयन टेक्नोलॉजी

एंटी-वायरल, एंटी-बैक्टेरियल, एंटी-फंजी, एंटी-एल्गी

एनएबीएल स्वीकृत लैब द्वारा परीक्षित

आवश्यक औज़ार

- एकसार मिश्रण बनाने के लिए एक मैकेनिकल स्टियरर का इस्तेमाल करना चाहिए.
- इस्तेमाल कार्य के लिए, पुट्टी ब्लेड/स्पैटुला और गुर्माला

इस्तेमाल का क्षेत्र

इस प्रोडक्ट का इस्तेमाल **इंटीरियर/एक्सटीरियर** सतह जैसे कि सीमेन्ट-बेस्ड प्लास्टर/कॉन्क्रीट / मोर्टार की दीवारों तथा सीलिंग सतहों, जो कि 1.5 मिमी तक की मोटाई की हों, पर दो कोट में किया जा सकता है. इस प्रोडक्ट के लिए तराई की ज़रूरत नहीं पड़ती.

पहला कदम - सतह की तैयारी

बिरला व्हाईट बायो-शील्ड पुट्टी लगाने से पहले, एक एमरी पेपर, पुट्टी ब्लेड या तार के ब्रश की मदद से, सतह से सभी ढीले चिपके पदार्थों जैसे कि मिट्टी, धूल, ऑर्गेनिक सॉल्वेंट (डी-शटरिंग/क्योरिंग-फ्री कंपाउंड) को निकाल दें. उप सतह साफ-सुथरी, धूल, ऑर्गेनिक सॉल्वेन्ट तथा लूज़ मटेरियल्स से मुक्त स्वच्छ जगह होनी चाहिए.

दूसरा कदम - बिरला व्हाईट बायो-शील्ड पुट्टी

पेस्ट बनाने के लिए 1 किलो बिरला व्हाईट बायो-शील्ड पुट्टी को 45% साफ पानी में धीरे-धीरे मिलाएं (1 किलो बायो-शील्ड पुट्टी+ 450 मिली पानी). बेहतर होगा कि पुट्टी और पानी को एक मैकेनिकल स्टियरर की मदद से 3 से 5 मिनट के लिए हिलाएं. अगर ऐसा करना संभव न हो तो एक मेटालिक रॉड की मदद से इसे 10-15 मिनट तक हाथ से हिलाएं, ताकि ज़्यादा कवरेज मिल सके. ऐसा करने के बाद पेस्ट को 5 मिनट के लिए अलग रख दें,जिससे उत्तम परिणाम मिल सकें. ध्यान रखें कि तैयार मात्रा का इस्तेमाल 3-3.5 घंटों के अंदर कर लिया जाता है.

तीसरा कदम - बिरला व्हाईट बायो-शील्ड पुट्टी का इस्तेमाल

चूंकि बिरला व्हाईट बायो-शील्ड पुट्टी प्री-वैटिंग-फ्री है, इसलिए बायो-शील्ड पुट्टी लगाने से पहले उप-सतह को गीला करने की ज़रूरत नहीं है. आप निम्न प्रकार से लगा सकते हैं:

- बायो-शील्ड पुट्टी को अच्छी तरह मिश्रित करने के बाद, पुट्टी ब्लेड की मदद से दीवार/उप सतह पर एक समान रूप से पहला कोट लगाएं. इस्तेमाल के दौरान सुनिश्चित करें कि उप सतह का तापमान 40 डिग्री सेलिसियस के पार नहीं जाना चाहिए.
- बायो-शील्ड पुट्टी का पहला कोट सूखने के बाद, सतह को एक गीले स्पंज या पुट्टी ब्लेड की मदद से हलका सा घिसें ताकि लूज़ पार्टिकल्स कण निकल जाएं.
- सतह को कम से कम 3 घंटे के लिए सूखने दें और उसके बाद बायो-शील्ड पुट्टी का दूसरा कोट लगाएं. इसके बाद सतह को पूरी तरह सूखने दें.
- टॉपकोट पेन्ट/डिस्टेम्पर को लगाने से पहले सतह को 10-12 घंटे तक सूखने देना बेहतर होगा.
- बायो-शील्ड पुट्टी के अंतिम कोट को खुरदरे एमरी पेपर से जोर से घिसना उचित नहीं होगा; इससे पुट्टी के वाटर रिपेलेंसी गुण नष्ट हो जाएंगे. लेकिन, किसी प्रकार का पेन्ट/डिस्टेम्पर लगाने से पहले अगर खुरदुरेपन/पैचेज को दूर करने के लिए यह ज़रूरी हो, तो बेहद महीन वॉटरप्रूफिंग एमरी पेपर से, जो 500 नंबर से कम का न हो, सतह को कोमलता से लेवल करें, जिससे ग्लॉसी सफेद सतह मिल जाए.
- दोनों कोट्स की कुल मोटाई ज़्यादा से ज़्यादा 1.5 मिलीमीटर तक सीमित होनी चाहिए.

तकनीकी विनिर्धारण

क्र.सं.	तकनीकी मापक	स्पेसिफिकेशन	सामान्य रेंज
1.	*कवरेज (वर्ग मीटर/किलो/दो कोट) [आदर्श स्मूद सतह पर]	1.67-1.95	निजी
2.	ताज़ा रहने की अवधि (घंटे)	3.0-3.5	निजी
3.	टेन्साइल एड्हेसन स्ट्रेन्थ @28 दिनों में (एन/एम^2)	≥ 1.1	EN 1348
4.	वॉटर कैपिलरी एबज़ॉर्पशन (मिली), 30 मिनट @28 दिनों में	≤ 0.60	कार्सटन ट्यूब
5.	कॉम्प्रेसिव स्ट्रेन्थ @28 दिनों में (एन/एम^2)	3.5-7.5	EN 1015-11
6.	बल्क डेन्सिटी (ग्राम/सेंमी^{3})	0.8-1.0	निजी

*यह वैल्यू स्मूद सतहों पर है. लेकिन सतह की संरचना के अनुसार यह बदल सकता है.